बागवानी के उद्देश्य

1. विद्यालयी स्तर पर बागवानी को पढ़ाये जाने का मुख्य उद्देश्य छात्र तथा शिक्षक को क्रियाशील बनाना तथा वातावरण में सकारात्मक बदलाव के लिए भागीदार बनाने को उत्साहित करना।

2. विद्यालयी पाठ्यक्रम में बागवानी को शामिल करने से पाठ्यक्रम समृद्ध बनता है। इसके माध्यम से उनमें जीवन - कौशल का विकास किया जाता है।

3. बागवानी के माध्यम से छात्र पर्यावरण के संरक्षण विकास एवं में अपनी भूमिका तथा जिम्मेदारी से परिचीत होते हैं।

4. विद्यालय में बागवानी की शिक्षा विद्यार्थियों तथा शिक्षक को पर्यावरण का प्रहरी बनाते हुए सक्रिय नागरिक बनाने में सहायक होता है।

5. बागवानी के माध्यम से छात्रों के जीवन शैली का विकास किया जाता है तथा बागवानी के द्वारा व्यवहारिक ज्ञान तथा शारीरिक मानसिक विकास को स्वस्थ्य बनाने में सहायता मिलती है।

Scanned with CamScanner

बागवानी छात्रों को पर्यावरणीय समस्याओं के प्रति जागरूक बनाता है तथा वातावरण को स्वच्छ रखने में उनकी भूमिका स्पष्ट करता है।

पर्यावरण के संरक्षण के लिए यह जरूरी है कि समाज के समस्त नागरिकों, छात्र-छात्राओं को इसके प्रति जागरूक किया जाए। पर्यावरण को साफ तथा स्वच्छ रखने का संदेश दिया जाए।

बागवानी के द्वारा छात्र प्रकृति के साथ स्वयं को ज्यादा अच्छी से समझ सकते हैं तथा अपने अनुभव के द्वारा ज्यादा बेहतर तरीके से समझ सकते हैं।

बागवानी छात्रों के करियर के विकास में भी सहायक है। यह उन्हें वनस्पति विज्ञान में शोध के लिए अवसर प्रदान करता है, जिससे वे भविष्य में वैज्ञानिक के तौर पर भी अपना भविष्य संवार सकते हैं।

विद्यालय में बागवानी की पढ़ाई के द्वारा छात्रों को इसके महत्व से अवगत कराता है तथा उन्हें बागवानी में प्रशिक्षण प्रदान कर प्रशिक्षित बनाया जाता है।

Scanned with CamScanner